Pillars Demarcating Boundary between Bangladesh and West Bengal

2565. SHRI ASHWANI KUMAR: Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there are about 15,000 pillars demarcating the boundary between Bangladesh and West Bengal;

(b) whether it is also a fact that majority of these have been demplished during the last one year making it impossible to demarcate the boundary; if so, what step are being taken to restore the same and whether the culprits have been identified and punished for this anti-national act; if not, the reasons therefor; and

(c) what steps are being taken to protect the boundary pillars in future?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI SUBODH KANT SAHAY): (a) There are 11,841 Nos. of boundary pillars along the demarcating boundary between Bangaladesh and West Bengal.

(b) Some boundary pillars have been damaged, but the repair/re-construction of the same is being carried out by the concerned authorities. Involvement of nationals of either country with regard missing or damaged boundary pillars has not come to notice.

(c) Boundary pillars are regularly checked by the BSF. Periodical joint inspection of boundary pillars is also carried out between the BSF and the Bangladesh Rifles.

Extension of CMD of MTNL

2566. SHRI KAMAL MORARKA: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether the CMD OF MTNL, Mr. Shukla, has been given an extension beyond his retirement age; and

(b) if so, what are the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI JANESHWAR MISHRA): (a) Yes, Sir.

(b) The extension has been granted in public interest.

राजस्थान में दोषयुक्त टेलीफोन सेवा

2567. **डा० अबरार अहमद खान :** क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि राजस्थान में और जयपुर में अधिकांश टेलीफ़ोन आजकल खराब पड़े रहते हैं तथा उपभोक्ताओं को काफ़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, यदि हां, तो क्या इसकी जांच की जायेगी और क्या सम्बंधित अधिकारियों को दंडित किया जायेगा;

(ख) राजस्थान और जयपुर में टेलीफ़ोन सलाहकार समितियां गठित न किए जाने के क्या कारण हैं, तथा इनका गठन कब तक कर दिया जाएगा;

(ग) जयपुर, जोधपुर, अजमेर और कोटा में टेलीफ़ोन कनेक्शन मांगने वालों की प्रतीक्षा सूची में कितने व्यक्ति हैं; और

(घ) विभिन्न श्रेणियों में कितने व्यक्तियों ने रजिस्ट्रेशन करा रखा है तथा इन सभी व्यक्तियों को कब तक टेलीफ़ोन कनेक्शन दे दिये जायेंगे ?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र : (क) जी नहीं। राजस्थान में जयपुर सहित, टेलीफ़ोन सेवाएं सामान्यतः संतोषजनक हैं।

(ख) दूरसंचार/टेलीफ़ोन सलाहकार समिति के गठन संबंधी नीति की समीक्षा की जा रही थी। अतः इन समितियों का पुनर्गठन नहीं किया जा सका। अब राजस्थान और जयपुर के लिए दूरसंचार टेलीफ़ोन सलाहकार समितियों के पुनर्गठन के बारे में कार्रवाई की जा रही है।